

चिन्मय मिशन की शताब्दी यात्रा और विकसित भारत का लक्ष्य एकसाथ आगे बढ़ेंगे: पीएम मोदी

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने के साथ ही चिन्मय मिशन भी अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने की दिशा में होगा। उन्होंने कहा कि चिन्मय मिशन की शताब्दी यात्रा और विकसित भारत के निर्माण का अभियान एक साथ आगे बढ़ेंगे, क्योंकि दोनों के लक्ष्य और उद्देश्य एक हैं। मोदी ने यहां भारत मंडपम में आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ समाज को एकजुट करना, आत्मनिर्भरता के लिए लोगों को जागरूक करना और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जन-जन को जोड़ना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकताएं हैं। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सभी को और अधिक सक्रिय होना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि चिन्मय मिशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक विचार है। इसकी स्थापना स्वामी चिन्मयानंद ने की थी और दशकों की इसकी यात्रा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संकल्पों से भरी रही है। उन्होंने दुनिया भर में



मिशन से जुड़े संतों, आचार्यों, साधकों और अनुयायियों को अमृत महोत्सव की बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मोदी ने आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम के दर्शन और संवाद के अनुभव को याद करते हुए कहा कि ऐसा लगा मानो वह 33 वर्ष पीछे पहुंच गए हों। वर्ष 1993 में बड़ौदा में गुरुदेव से हुई मुलाकात, उनके साथ बातचीत, स्नेह और आशीर्वाद की स्मृतियां फिर से जीवंत हो उठीं। एक पल के लिए उन्हें

ऐसा लगा, जैसे वह गुरुदेव के साक्षात् सानिध्य में आ गए हों। प्रधानमंत्री ने इस अनुभव के लिए चिन्मय मिशन के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1993 में वह स्वामी चिन्मयानंद को अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गए थे। उस समय स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के 100 वर्ष पूरे हो रहे थे। स्वामी चिन्मयानंद ने निमंत्रण स्वीकार किया और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को इस समारोह के प्रति जागरूक किया

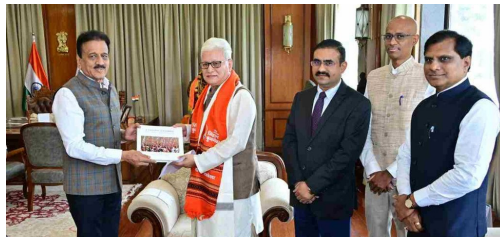
तथा इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मोदी ने कहा कि धर्म संसद के आयोजन से कुछ सप्ताह पहले तीन अगस्त को अमेरिका के सैन डिएगो में स्वामी चिन्मयानंद का निधन हो गया। 11 सितंबर को शिकागो में आयोजित धर्म संसद के दौरान उन्हें गुरुदेव की कमी महसूस हुई। उन्होंने कहा कि गुरुदेव से आखिरी मुलाकात में युवा शक्ति के निर्माण और उसके माध्यम से सशक्त एवं समर्थ भारत बनाने पर गंभीर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव से मुलाकात के कुछ वर्षों बाद उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनता की सेवा करने का अवसर मिला। तब से पिछले 25 वर्षों से वह सरकार के मुखिया के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं और इस पूरी यात्रा में गुरुदेव का आशीर्वाद उनके साथ रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों और नीतियों के केंद्र में देश के युवा रहे हैं। मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव में युवाओं की भागीदारी की सराहना करते हुए बताया कि मिशन के युवा साथियों ने करीब 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा की और एक लाख से अधिक युवाओं से संपर्क किया। उन्होंने इस प्रयास के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

सिंहस्थ कुंभ ध्वजारोहण समारोह के लिए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को निमंत्रण

■ 31 अक्टूबर को नासिक-त्र्यंबकेश्वर में राष्ट्रपति की उपस्थिति में होगा समारोह, मंत्री गिरीश महाजन ने लोकभवन में भी भेंट

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा सिंहस्थ कुंभ मेला प्रभारी मंत्री गिरीश महाजन ने शुक्रवार को राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से लोकभवन में शिष्टाचार भेंट कर उन्हें 31 अक्टूबर को नासिक-त्र्यंबकेश्वर में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। समारोह में राष्ट्रपति की गरिमायुी उपस्थिति निर्धारित है। भेंट के दौरान महाजन ने राज्यपाल को सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नासिक और त्र्यंबकेश्वर देश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक तीर्थस्थलों में शामिल हैं और सिंहस्थ कुंभ महाराष्ट्र की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा तथा सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। महाजन ने बताया कि राज्य सरकार मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-केंद्रित बनाने के लिए आधारभूत



सुविधाओं, यातायात, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के जरिए आयोजन को निर्बाध रूप से संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने वर्ष 2015 के सिंहस्थ कुंभ मेले के आयोजन का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय के अनुभवों का उपयोग इस बार की व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने में किया जा रहा है। विशेष रूप से भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े इंतजामों को मजबूत किया जा रहा है। 31 अक्टूबर के ध्वजारोहण समारोह को आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों का महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

अमिताभ बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की धमकी

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को सुरक्षा बढ़ा दी है। इसी बीच, बंगले के बाहर काफी देर तक खड़े एक युवक को पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के शक में हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि, पूछताछ में युवक ने बताया कि वह वहां सेल्फी



लेने आया था। इसके बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कल सुबह मुंबई नगर निगम के महापौर कार्यालय के ईमेल अकाउंट पर दो धमकी भरे मेल थे। इनमें से

एक में मेयर कार्यालय, कुछ स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। इसके बाद दूसरे धमकी भरे ईमेल में अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' का भी जिक्र किया गया था। मेल में कथित तौर पर 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच बंगले को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और इलाके में निगरानी बढ़ा दी।

बिहार एमएलसी चुनाव

स्नातक निर्वाचन में 43.87 और शिक्षक निर्वाचन में 74.55 प्रतिशत मतदान

संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान संपन्न हो गया। चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में शाम चार बजे तक हुए मतदान में स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में 43.87 प्रतिशत और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 74.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कोसी में सर्वाधिक 52.51 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में सारण 87.16 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे आगे रहा। स्नातक आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। पेशी के बाद सौरव दास ने मीडिया से कहा कि अदालत की कार्यवाही का सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन की आगे की रणनीति सामूहिक रूप से तय की जाएगी।



निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में समस्तीपुर जिलान्तर्गत दलसिंहसराय प्रखंड परिसर स्थित मतदान केंद्र पर आज बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए मताधिकार का उपयोग बहुत जरूरी है। भाजपा उम्मीदवार नवल यादव ने आज मीडिया से बातचीत में कहा कि दूसरे सभी प्रत्याशियों की जमानत जल्द हो जाएगी और उनकी जीत हर बार से बड़ी होगी। शिक्षकों का जो समर्थन उन्हें मिल रहा है, उसी के कारण विरोधी बौखलाए हुए हैं और अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। नवल यादव ने कहा कि विरोधी उन पर आरोप लगाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं।

सुधांशु त्रिवेदी का राहुल गांधी पर तीखा हमला, कहा- कांग्रेस के लिए 'फेल्ड प्रोडक्ट'

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता से बाहर रहने पर कांग्रेस की हालत 'जल बिन मछली' जैसी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति का मूलमंत्र सत्ता में लूट, समाज में फूट और भारतीय धर्म-संस्कृति के प्रति घृणा है। उन्होंने राहुल गांधी को कांग्रेस के लिए लगातार समस्यार्थ पैदा करने वाला नेता बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ट्रैक रिकॉर्ड उपलब्धियों से भरा है, जबकि राहुल गांधी का राजनीतिक रिकॉर्ड कांग्रेस के लिए मुश्किलों से भरा रहा है। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकारवाता में सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पहले कहा था कि कांग्रेस एक 'फेल्ड प्रोडक्ट' को बार-बार लॉन्च करने की कोशिश कर रही है। अब इस कोशिश में पार्टी ने केवल अपने राजनीतिक भविष्य को



ही नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक व्यवस्था को भी दांव पर लगा दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के राजनीतिक सफर का आकलन तथ्यों और घटनाओं के आधार पर किया जा सकता है। राहुल गांधी की शुरुआती शिक्षा और करियर का उल्लेख करते हुए त्रिवेदी ने सेंट स्टीफेंस कॉलेज में उनके प्रवेश और निशानेबाजी से जुड़े होने का जिक्र किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसके बाद राहुल गांधी का निशाना लगातार चूकता गया। उन्होंने राहुल गांधी के विदेश में पढ़ाई करने और वर्ष 1996 से 1999 के बीच एक ब्रिटिश कंपनी में काम करने का भी उल्लेख किया।

एसआईआर के खिलाफ मार्च, दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

संवाददाता

नई दिल्ली। मतदाता सूचियों को अपडेट करने की प्रक्रिया विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शुक्रवार को दिल्ली में वाम दलों और कुछ छात्र संगठनों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग की। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। एसआईआर के खिलाफ मार्च गोल डाकखाना के पास कालीबाड़ी मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग के चौराहे से शुरू हुआ और निर्वाचन आयोग के मुख्यालय की ओर बढ़ा। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने के विरोध में नारे लगाए। इनमें 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो', 'एसआईआर रोकें' और 'वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेंगे' जैसे नारे शामिल थे। प्रदर्शन में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने कहा



कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता पी. संदीप ने कहा कि आंदोलन तेज होगा और ज्ञानेश कुमार को कोई नहीं बचा सकता। इस बीच, गृह मंत्रालय ने दिल्ली में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 273 कंपनियों की तैनाती 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार राजनीतिक और अन्य समूहों की ओर से अचानक विरोध प्रदर्शन किए जाने की आशंका के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। इसी

बीच कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका ने शुक्रवार को दिल्ली के मंदिर मार्ग थाने में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए। इस दौरान आंदोलन से जुड़े नेताओं ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। पेशी के बाद सौरव दास ने मीडिया से कहा कि अदालत की कार्यवाही का सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन की आगे की रणनीति सामूहिक रूप से तय की जाएगी।

वायु प्रदूषण कम करने के लिए पंकजा मुंडे ने महानगरपालिकाओं को दिए सख्त निर्देश

■ सड़क धूल, निर्माण मलबा, उद्योग और वाहनों पर नियंत्रण, MMR के लिए बनेगा क्लीन एयर एक्शन प्रोग्राम

संवाददाता

मुंबई। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण कम करने के लिए सड़क की धूल, निर्माण मलबे की ढुलाई और निस्तरण, औद्योगिक प्रदूषण तथा वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर कड़े नियंत्रण के उपाय किए जाएंगे। शुक्रवार को पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) के लिए समन्वित क्लीन एयर एक्शन प्रोग्राम तैयार किया जाएगा। मुंबई और आसपास के वायु प्रदूषण को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुंडे ने कहा कि सड़कों की केवल झाड़ से सफाई पर्याप्त नहीं है। धूल नियंत्रण



के लिए वैक्यूम क्लीनिंग मशीनों, स्प्रिंकलर से पानी के छिड़काव और निर्माण मलबा ले जाने वाले वाहनों को पूरी तरह ढकने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं विध्वंस मलबे की आवाजाही और उसके निस्तरण पर निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि खुले में मलबा ले जाने और उससे फैलने वाली धूल पर रोक लगाई जा सके। औद्योगिक प्रदूषण को लेकर मुंडे ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल को निर्देश दिया कि

केवल निरीक्षण करने के बजाय यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उद्योग वास्तव में निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं। बार-बार निरीक्षण के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाएगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्देश्य हर उद्योग को बंद करना नहीं, बल्कि आवश्यक सुधार करार कर प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। बैठक में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव जयश्री भोज, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव राहुल रेखावार, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त अविनाश ढाकणे, पनवेल महानगरपालिका आयुक्त मंगेश चितवडे सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। मुंबई महानगर क्षेत्र की सभी महानगरपालिकाओं के आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

भगवती अस्पताल को PPP मॉडल पर चलाएगी BMC, 50% बेड महानगरपालिका मरीजों के लिए आरक्षित

■ 490 बेड के मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में 90 ICU बेड, निजी भागीदार को करना होगा कम से कम 150 करोड़ रुपये का निवेश

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) ने बोरीवली पश्चिम स्थित श्री हरिलाल भगवती अस्पताल का पुनर्विकास कर 490 बेड का आधुनिक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल तैयार किया है। इसमें 90 ICU बेड सहित अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अस्पताल को अगले 30 वर्षों के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर संचालित करने के लिए महानगरपालिका ने निविदा प्रक्रिया शुरू की है। BMC प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि PPP व्यवस्था अस्पताल का निजीकरण नहीं है। जमीन और अस्पताल की इमारत का 100 प्रतिशत मालिकाना हक महानगरपालिका के



पास ही रहेगा, जबकि चयनित निजी भागीदार निर्धारित अवधि के लिए केवल अस्पताल का संचालन करेगा। अस्पताल परिसर में मराठी भाषा में स्पष्ट रूप से यह दर्शाने वाला बोर्ड लगाया भी अनिवार्य होगा कि संपत्ति मुंबई महानगरपालिका के स्वामित्व में है।

पास ही रहेगा, जबकि चयनित निजी भागीदार निर्धारित अवधि के लिए केवल अस्पताल का संचालन करेगा। अस्पताल परिसर में मराठी भाषा में स्पष्ट रूप से यह दर्शाने वाला बोर्ड लगाया भी अनिवार्य होगा कि संपत्ति मुंबई महानगरपालिका के स्वामित्व में है।

इलाज के शुल्क पर रहेगा नियंत्रण निजी ऑपरेटर को मनमाने शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं होगी। महानगरपालिका ने हॉस्पिटल सर्विस रेट (HSR) के तहत उपचार शुल्क की अधिकतम सीमा तय करने का प्रावधान किया है। प्रस्ताव के अनुसार सामान्य OPD शुल्क 10 रुपये, स्पेशलिटी OPD शुल्क 293 रुपये और बड़ी सर्जरी के लिए ऑपरेशन थिएटर शुल्क अधिकतम 1,200 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रशासन का दावा है कि ये दरें CGHS, MJPJAY और महानगरपालिका की निर्धारित दरों के बराबर या उससे कम रखी जाएंगी।

निजी भागीदार करेगा 150 करोड़ रुपये का निवेश

अस्पताल संचालन के लिए चयनित संस्था को कम से कम 150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। इस राशि से चिकित्सा उपकरण, बेड, फर्नीचर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

शेष पेज 2 पर...

संपादकीय



सियासी समीक्षा का दौर शुरू

अगले विधानसभा चुनाव की कुछ शतें तय हो रही हैं और यह एक रूटीन सी है कि सत्ता अपना चौथा साल इस लिहाज से जाहिर करे। विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना ढर्रा है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आंतरिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां। भाजपा अपने प्रचार के औजार पैसे कर रही है, तो कांग्रेस की जमात ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठौर बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फार्मूला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है। हिमाचल के विधानसभा चुनावों से मुख्यमंत्रियों की ताकत ऐसे फैसलों में महसूस होती रही है, जो अति उदार और लोकप्रियता के मानकों पर आधारित होती हैं। जाहिर है सुखविंदर सुक्खू भी अपनी महिमा के अनुरूप जनता की ऐसी जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। अंततः जनता क्या देखना चाहेगी यह तय करना विपक्ष में जिम्मेदारी का एहसास रहा है। बतौर नेता विपक्ष जयराम ठाकुर सरकार के विरोध में अपनी पताका फहराते हुए कहां पहुंचे, इसका अवलोकन ही बता पाएगा कि भाजपा में कौनसा गुट भारी है। कम से कम यह तो दिखाई देता है कि जयराम ठाकुर की मुलाकातें दिल्ली में प्रधानमंत्री के कक्ष में सुकून से होती हैं। एक गणित उन्हें दिल्ली दरबार से तमाम उत्तराधिकार और दायित्व प्रदान करता हुआ दिखाई देता है। दूसरी तरफ राजनीतिक व प्रशासनिक तौर पर सशक्त बनकर उभरे सुखविंदर सिंह सुक्खू भी कांग्रेस के मॉडल में अपनी जगह की मजबूती से आगामी चुनाव को देख रहे हैं। ऐसे में क्या पिछले चार साल का राजनीतिक दौर ही आगामी चुनाव का आमना सामना करेगा। क्या प्रदेश के पूर्व में सुखविंदर सिंह सुक्खू या पश्चिम में जयराम ठाकुर होंगे या उत्तर-दक्षिण ध्रुव बदलेंगे। जो भी हो चार वर्ष के खाके में सत्तारूढ़ दल की सारी कर्मठता, कार्यसंस्कृति और क्षमता सुक्खू के हाथों में है। दूसरी ओर जयराम ठाकुर भी अपनी जमीन से अगर इंच भी पीछे नहीं हटे, तो आगे बढ़ते उनके अरमान हमेशा दो दो हाथ करते रहे हैं। अब देखना यह है कि भाजपा अपने केंद्र से कितनी शक्ति-कितनी ऊर्जा जयराम को देती है या केंद्र सरकार के कौन से फैसले हिमाचल को मरहम लगाते हैं।

जवाबदेह पुलिस व्यवस्था से ही बनेगा सुरक्षित उत्तर प्रदेश

सौरभ वार्णाय

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसी स्वतंत्रता के कारण प्रदेश की पहचान उपद्रव से उत्सव की ओर बदली है। उनका यह वक्तव्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की प्रार्थनिकताओं और पुलिस की भूमिका को रेखांकित करता है। निस्संदेह, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांति, सुरक्षा और कानून का शासन विकास की बुनियादी शतें हैं। लेकिन कानून के राज की वास्तविक सफलता केवल सख्त कार्रवाई के दमों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा के विश्वास, न्याय की उपलब्धता और प्रशासन की निष्पक्षता से तय होती है। पुलिस स्मृति दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन वीर पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। पुलिस का दायित्व केवल अपराधियों को पकड़ना या कानून का पालन कराना नहीं है, बल्कि संकट के समय नागरिकों की सहायता करना, कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में विश्वास का वातावरण तैयार करना भी है। कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और अनुशासन पुलिस सेवा की पहचान हैं। ऐसे में शहीद पुलिसकर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी सार्थक होगी, जब पुलिसकर्मियों की सुरक्षा, उनके कार्य करने की परिस्थितियों, आधुनिक संसाधनों और पेशेवर प्रशिक्षण को लागातार बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले की कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में माफिया और अराजक तत्वों का प्रभाव था। मथुरा के जवाहर बाग जैसी घटनाएं इस बात की



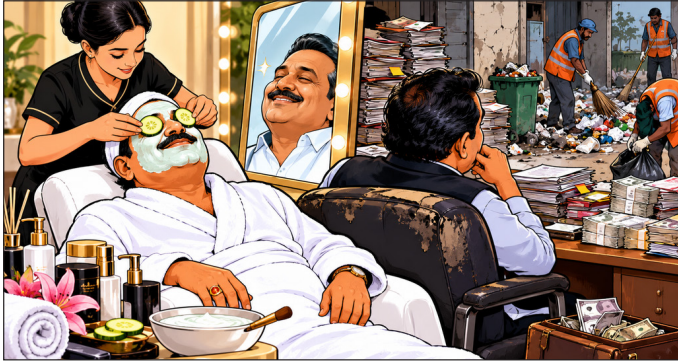
याद दिलाती हैं कि कानून-व्यवस्था की चुनौतियां कितनी गंभीर हो सकती हैं और उनसे निपटने में पुलिसकर्मियों को किस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान सरकार का दावा है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव को बाधा नहीं बनने दिया जा रहा। यदि इस नीति को निष्पक्षता और निरंतरता के साथ लागू किया जाता है, तो इससे कानून के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हो सकता है। हालांकि, किसी भी सरकार के लिए, यह आवश्यक है कि वह कानून व्यवस्था में सुधार का आकलन केवल अपनी उपलब्धियों के आधार पर न करे, बल्कि स्वतंत्र आंकड़ों, अपराध के बदलते स्वरूप और नागरिकों के अनुभवों को भी महत्व दे। अपराध पर नियंत्रण का अर्थ केवल गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने की संख्या बढ़ाना नहीं है। वास्तविक उपलब्धि तब मानी जाएगी, जब महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, व्यापारियों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षित वातावरण मिले। शिकायत दर्ज कराने के लिए नागरिकों को परेशान न होना पड़े, पीड़ितों को समय पर सहायता मिले और अपराध की जांच निष्पक्ष ढंग से पूरी हो। पुलिस की सक्रियता के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया की गति और अभियोजन की गुणवत्ता भी उसी की महत्वपूर्ण है मुख्यमंत्री ने पुलिस को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए 2.26 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में दस गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में

पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर थाने स्थापित करने और सभी थानों में महिला सहायता कक्षों की व्यवस्था जैसे कदमों का उल्लेख किया। इन पहलों का उद्देश्य पुलिस को बदलती सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। बढ़ती आबादी और तेजी से शहरीकरण के बीच उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में पुलिस बल की संख्या, उसकी दक्षता और संसाधनों का विस्तार आवश्यक है। नई भर्तियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है। लेकिन भर्ती के साथ प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पुलिसकर्मियों को कानून, मानवाधिकार, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और सामुदायिक पुलिसिंग का व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए। केवल आधुनिक हथियार और तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता, धैर्य और पेशेवर व्यवहार भी उतना ही जरूरी है। किसी पीड़ित की शिकायत सुनने से लेकर अपराध की जांच पूरी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। पुलिस की प्रतिष्ठा उसके अधिकारों से ही नहीं, बल्कि उन अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल से भी बनती है। आज साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी, डिजिटल भ्रूतान से संबंधित धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले अपराधों

ने पुलिस के सामने नई जिम्मेदारियां खड़ी कर दी हैं। प्रत्येक जिले में साइबर थानों की स्थापना एक उपयोगी कदम है, लेकिन इन थानों में प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है। आम नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने में सरलता मिलनी चाहिए। इसी तरह महिला सहायता कक्षों की स्थापना तभी प्रभावी होगी, जब महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए, उनकी गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। सरकार ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त किए जाने का उल्लेख किया है। ये आंकड़े संगठित अपराध और अपराध से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध सरकार की कार्रवाई का संकेत देते हैं। अपराध से अर्जित संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई संगठित अपराध के आर्थिक आधार को कमजोर करने का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती है। फिर भी ऐसी कार्रवाई में कानून की निर्धारित प्रक्रिया, पर्याप्त साक्ष्य और निष्पक्ष जांच का पालन अनिवार्य है। किसी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई का आधार उसका अपराध होना चाहिए, न कि उसकी राजनीतिक पहचान, सामाजिक स्थिति या किसी अन्य प्रकार का पूर्वाग्रह। कानून की शक्ति तभी विश्वसनीय बनती है, जब उसका प्रयोग सभी के लिए समान हो। यह भी समझना होगा कि पुलिस को स्वतंत्रता देने का अर्थ उसे जवाबदेही से मुक्त करना नहीं है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन अधिकारों का उपयोग संविधान और कानून की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अवैध हिरासत, हिरासत में हिंसा, झूठे मुकदमे या निर्दोष नागरिकों के उत्पीड़न जैसी किसी भी शिकायत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मजबूत पुलिस व्यवस्था वही है, जिसमें अपराधी कानून से भयभीत हो,

लेकिन निर्दोष नागरिक पुलिस से भयभीत न हो। अधिकार और जवाबदेही का यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन की पहचान है। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का सुधार केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए न्यायालयों में मामलों के शीघ्र निस्तारण, अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने, जेल सुधार, स्थानीय प्रशासन की सक्रियता और समाज की भागीदारी की भी आवश्यकता है। बेरोजगारी, नशाखोरी, सामाजिक तनाव और स्थानीय विवादों जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। अपराध होने के बाद कार्रवाई जितनी आवश्यक है, अपराध को पनपने से रोकने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर काम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पुलिस स्मृति दिवस हमें यह याद दिलाता है कि कानून व्यवस्था केवल सत्ता की प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और सम्मान से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून से ऊपर किसी को न मानने का संदेश तभी पूरी तरह सार्थक होगा, जब उसका प्रभाव प्रदेश के हर जिले, हर कस्बे और हर गांव में दिखाई दे। आम नागरिक बिना भय अपनी बात कह सके, पीड़ित को न्याय मिले, महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा हो और अपराधी किसी भी प्रभाव या रसूख के सहारे कानून से बच न सके। नए उत्तर प्रदेश की पहचान केवल सख्त पुलिस कार्रवाई या सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण, सुनिश्चित और विश्वासपूर्ण समाज से बनेगी। शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान का वास्तविक सम्मान यही है कि पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम होने के साथ-साथ संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह भी बने। कानून का राज तभी मजबूत होगा, जब कानून का भय अपराधियों में और कानून पर विश्वास आम नागरिकों के मन में स्थापित हो। यही सुशासन की कसौटी है और इसी आधार पर उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की वास्तविक सफलता का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

त्यंग्य: फेशियल चेहरे का और सफाई व्यक्तित्व की



विवेक रंजन श्रीवास्तव
दीपावली आते ही सफाई का ऐसा शंखनाद होता है कि घर के कोने कोने की शामत आ जाती है। साल भर जिस कबाड़ को हाथ लगाना भी गुनाह समझा जाता रहा, वह अचानक आँखों की किरकिरी बन जाता है। पुराने अखबार, टूटे खिलौने, बेकार तार और वे तमाम चीजें, जिनको जाने क्यों संजो कर रखा गया था, शायद किसी शुभ मुहूर्त में काम आने की उम्मीद रही हो, सबको घर से बाहर का रास्ता दिखाया जाने लगता है। श्रीमती जी उस कबाड़ से भी कुछ कमाई के जुगाड में कबाड़ी के इंतजार में होती हैं। हर कोई झाड़ू लेकर मैदान में उतर पड़ता है और मोहल्ले के कचरे घर की कैपेसिटी ओवर फ्लो होने लगती है। श्रीमान जी के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगती हैं। उन्हें डर है कि कहीं सफाई के नाम पर उनकी गोपनीय अलमारी न खुल जाए। श्रीमती जी ने साफ फरमान सुना दिया कि इस बार घर का कोना कोना चमकना चाहिए। श्रीमान जी ने मुँह लटकाकर कहा कि पिछले साल भी तो सफाई हुई थी। उत्तर मिला कि पिछले साल घर चमका था, इस बार सबकी करतूतों की धूल झाड़ी जाएगी। सुनते ही उनके मुँह में दही जम गया। वे

कुछ कहते भी तो क्या कहते! पत्नी के सामने ज्यादा मुँह चलाने का परिणाम वे कई बार भुगत चुके थे। अब मुँह की खाने से बेहतर उन्हें झाड़ू उठाकर कर्मयोगी बनना लगा। उधर बाजारों में दीपावली का सौंदर्य महोत्सव चल रहा है। दुकानों का मेकओवर हो रहा है, सड़कों का मेकअप हो रहा है और दीवारों पर रंग रोगन की ऐसी परत चढ़ रही है कि पुरानी बदसूरती मुँह छिपाती फिर रही है। नगर की कुछ सड़कों पर अचानक सफाई देखकर नागरिकों के मुँह में घी शक्कर घुलने लगती है। लेकिन कूड़े का ढेर जरा सा पर्दा हटते ही फिर मुँह चिढ़ाने लगता है। लगता है, सफाई ने भी ठान लिया है कि कुछ दिन के लिए ही सही, शहर का मुँह दिखाने लायक

बना दिया जाए। राजनीति में तो सफाई का खेल और भी निराला है। नेता जी मंच से भ्रष्टाचार पर झाड़ू फेरने की घोषणा करते हैं। उनके मुँह से फूल झाड़ते हैं, मगर उनके कर्मों की फाइल खुलते ही दूध का दूध और पानी का पानी होने लगता है। विरोधियों का मुँह काला करने में उन्हें महारत हासिल है, लेकिन अपने गिरेबान में झाँकने की बारी आए तो साँप सूँघ जाता है। सवाल पृष्ठिए तो मुँह पर ताला लग जाता है। सच सामने रखिए तो बगलें झाँकने लगते हैं। और जब जनता हिसाब माँगी है, तब वही नेता जी मुँह छिपाते फिरते हैं। वाह रे सफाई अभियान! कूड़ा हटाने से पहले कूड़ा फैलाने वालों की पहचान कौन करेगा? सच तो यह है कि सफाई का

सबसे बड़ा दुश्मन घर का कूड़ा नहीं, मन का कचरा है। इध्यों की धूल, अहंकार के जाले, स्वार्थ की चिकनाई और छल की कालिख चेहरे के किसी फेशियल से नहीं उतरती। किसी का हक मारकर, किसी को अपमानित करके और फिर दीप जलाकर पुण्य का हिसाब बराबर नहीं किया जा सकता। दूसरों को उपदेश देना आसान है, अपनी बुरी आदतों पर झाड़ू फेरना कठिन। इस दीपावली घर चमकाइए, गलियाँ सँवारिए और शहर को स्वच्छ बनाइए, मगर कूड़ा पड़ोसी के दरवाजे पर डालकर अपनी पीठ मत

थपथपाइए। रिशतों की धूल भी झाड़िए, कटु वचनों की गंदगी भी हटाइए और किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा का दीप भी जलाइए। आखिर चेहरे पर चमक हो और चरित्र पर कालिख, तो ऐसी सुंदरता किस काम की? लक्ष्मी जी के स्वागत में घर का दरवाजा खुला रखिए, लेकिन मनुष्यता के प्रवेश पर मुँह मत फेरिए। इस दीपावली फेशियल चेहरे का ही नहीं, व्यक्तित्व का भी कीजिए। क्योंकि असली उजाला दीये की लौ से शुरू जरूर होता है, मगर उसकी सार्थकता मन, वचन और कर्म की सफाई से ही पूरी होती है।



एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा
से संबंधित किसी भी
जानकारी या समस्या
समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल



मेष: नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साधियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।

वृषभ: चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझड़ों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन: घर-बाहर आज विवाद को बढ़ावा न दें। अपने फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। छात्र कुसंगति से बचें। आपको घर-परिवार का चिंता आज बनी रहेगी। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएँ। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरीपेशाश को आय बनी रहेगी।

कर्क: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएँगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या: कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग है। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला: बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएँगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

धनु: स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। लापरवाही न करें।

मकर: रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।

कुंभ: विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन: मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएँगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

Chorbagan Stampede Case: Police Probe Claim of Delayed Surrender

KOLKATA: Kolkata Police have arrested a second announcer, identified as Babu alias Kushal Majumdar, in connection with the tragic Chorbagan Durga Puja stampede. As the accused undergoes intensive interrogation at the Lalbazar police headquarters, his wife has made an explosive public allegation, claiming he was explicitly instructed by an unidentified individual to delay his surrender to the authorities until after October 27. Speaking to the media, Majumdar's wife detailed his movements on the night of the disaster. She stated that immediately following the incident, he returned home, changed into informal attire, and



left barefoot, ostensibly to assist the victims, before going into hiding. While absconding, he reportedly remained in contact with her over the phone. According to her statement, Majumdar expressed a clear desire to surrender to the police but cited strict instructions from someone forbidding him from approaching the police station before the 27th of the month. She maintained that she does not know the

identity of the person who issued this directive. The fatal stampede, which occurred on the rainy evening of Mahasaptami, claimed the lives of 19 individuals, including several minors. Investigators have identified a highly irresponsible announcement made over the pandal's public address system-falsely warning the crowd that the pandal is collapsing - as the primary trigger for the mas-

sive panic and subsequent deadly crush among the devotees. Since the tragedy, police had been actively tracking the individuals responsible for the fatal public announcements. The first breakthrough in this specific track of the investigation came on Thursday when Sanjeev Raha, alias Sentu, the treasurer of the Chorbagan Puja committee, was apprehended from a hideout in the Nadia district. Raha is scheduled to be produced in court today. Detectives at Lalbazar are now expected to interrogate Majumdar closely to verify his wife's claims and uncover who might have instructed him to evade immediate police custody.

ED Cracks Down on Betting App Scam, Searches 15 Locations

HYDERABAD: The Enforcement Directorate (ED) on Friday conducted simultaneous searches at 15 locations in Telangana and Andhra Pradesh, including Hyderabad and Vijayawada, as part of a money laundering investigation into alleged online betting operations and fraudulent investment app networks. The searches were carried out under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) in connection with an FIR registered by the Pune Cyber Crime police in Maharashtra. Investigators are probing alleged inter-state networks accused of enticing people with promises of high returns and collecting hundreds of crores of rupees. The action in the two Telu-



gu states followed searches conducted by the ED last week in Delhi, Mumbai and Gurugram. Investigators reportedly found documents indicating possible links with agents and suspected hawala operators in Telangana and Andhra Pradesh. The agency is examining allegations that proceeds generated through online betting and fraudulent investment platforms were routed through shell companies and cryptocurrency transactions before being

transferred overseas. During Friday's searches, ED officials examined records, financial transaction documents and digital devices at the residences and offices of suspected key operatives. The searches were aimed at tracing the alleged money trail, identifying beneficiaries and establishing possible links among app operators, local agents and hawala networks. There were reports of cash and documents relating to bank accounts and suspected hawala transactions being recovered during the searches. However, details of the alleged seizures and the identities of those under investigation were not immediately available. Further investigation is under way.

UP Ranks First in Mission Karmayogi, Rajasthan Second

LUCKNOW: Uttar Pradesh has secured the first position in the country due to its effective implementation of Mission Karmayogi and excellent performance in capacity building of government officials and employees. Uttar Pradesh was honored for this achievement in the Northern Regional Workshop organized jointly by Dr. Ram Manohar Lohia Uttar Pradesh Academy of Administration and Management (RUPAM) and the Capacity Development Commission of the Government of India. Rajasthan secured the second po-

sition and Jammu and Kashmir secured the third position. With this achievement, Uttar Pradesh demonstrated its leading role in the field of administrative efficiency, training and continuous capacity building of personnel. At the event, Chief Minister Yogi Adityanath recognized the efforts of the officials and training institutions involved in this achievement. On behalf of Uttar Pradesh, RUPAAM Director General M. Devraj, Director Sanjay Kumar, and Additional Director and Nodal Officer Sunil Kumar Chaudhary were honored



for their contributions. Under Mission Karmayogi, capacity building has been pursued as an administrative priority in Uttar Pradesh. According to data from departments and ministries on

the iGOT Karmayogi platform, the state has approximately 19.23 lakh registered users, of which over 99 percent are active. Additionally, over 350 training institutes have registered under the Unnati initiative. In January 2026, the state organized a seven-day capacity building program for all officers and employees. The state also performed exceptionally well during the Sadhna Saptah. Initiatives such as Nirbhay Netri, Nirbhay Chetna, Kaushal Setu, and Kaushal Sarathi also reflect the state's comprehensive approach

to capacity building. The performance of various departments in Uttar Pradesh under Mission Karmayogi was also recognized. Among the departmental categories, the Home Department secured first place in Category A. The department alone achieved a remarkable feat by completing over one crore training courses. Director General of Training Rajiv Agarwal and Dev Ranjan Verma received this honor on behalf of the Home Department. The Basic and Secondary Education Department was awarded second place in its respective cat-

egory. The department has also completed over one crore courses. Additional Chief Secretary Partha Sarathi Sen Sharma and Director General (School Education) Monika Rani received this honour on behalf of the department. Higher Education Department got the first prize in category 'B'. Additional Chief Secretary Amit Ghosh received this honour. Infrastructure and Industrial Development Department got the second place in the same category, for which Additional Chief Secretary Alok Kumar received the award.

मुख्यमंत्री धामी यांनी मीका सिंह यांच्याशी साधला संवाद

देहरादून: उत्तराखंडचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यांनी गुरुवारी प्रसिद्ध गायक मीका सिंह यांच्याशी दूरध्वनीवरून संवाद साधला. यावेळी त्यांनी मीका सिंह यांचे मोठे बंधू आणि गायक दलेर मेहंदी यांच्याशी संबंधित प्रकरणावर चर्चा केली. कोणत्याही प्रकारचे गैरसमज परस्पर संवाद आणि सौहार्दाच्या माध्यमातून दूर केले पाहिजेत, असे मुख्यमंत्री म्हणाले. सोशल मीडियावर प्रसिद्ध केलेल्या पोस्टमध्ये मुख्यमंत्र्यांनी सांगितले की, देवभूमी उत्तराखंड ही 'अतिथी देवो भवः' या महान परंपरेचे पालन करणारी भूमी आहे. येथे सर्व कलाकारांचे नेहमीच मनापासून स्वागत केले जाते आणि त्यांचा सन्मान राखला जातो. टिहरी जिल्ह्यातील नरेंद्रनगर येथे आयोजित माँ कुंजापुरी मेळ्यात कॅबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल आणि दलेर मेहंदी यांच्यात घडलेल्या प्रसंगानंतर मुख्यमंत्र्यांनी ही पुढाकार घेतली आहे. मेळ्यातील सांस्कृतिक कार्यक्रमादरम्यान दलेर मेहंदी यांच्या सादरीकरणावर मंत्र्यांनी केलेल्या टिप्पणीमुळे वाद निर्माण झाला होता. या घटनेचा व्हिडिओ सोशल



मीडियावर प्रसारित झाल्यानंतर हा विषय चर्चेत आला. कार्यक्रमादरम्यान मंत्री उनियाल यांनी गायकाच्या सादरीकरणाबाबत नाराजी व्यक्त केली होती. गायक अपेक्षेप्रमाणे सादरीकरण करत नसल्याचा आणि आधीच रेकॉर्ड केलेल्या संगीताचा वापर करत असल्याचा आरोप त्यांनी केला होता. तसेच गायक मधुबंद अवस्थेत असल्याची टिप्पणीही त्यांनी केली होती. या घटनेनंतर मीका सिंह यांनी आपल्या भावाची बाजू घेत मंत्र्यांच्या वक्तव्यावर आक्षेप नोंदवला. दलेर मेहंदी यांची प्रकृती ठीक नसून अलीकडेच त्यांच्यावर मोठी शस्त्रक्रिया झाल्याचे त्यांनी सांगितले. मद्यपानासंबंधीचे आरोप फेटाळून लावत मीका यांनी मुख्यमंत्र्यांनी या प्रकरणात हस्तक्षेप करावा आणि संबंधित मंत्र्यांकडून माफी मागवून घ्यावी, अशी मागणी केली होती.

पाटण्यातील ब्लिंकिट गोदामावर अन्न सुरक्षा विभागाची मोठी कारवाई

पाटणा: नागरिकांना सुरक्षित आणि दर्जेदार खाद्यपदार्थ उपलब्ध करून देण्याच्या उद्देशाने अन्न सुरक्षा आयुक्त कुमार रवी यांच्या निर्देशानुसार अन्न सुरक्षा विभागाच्या पथकाने पाटणा येथील विविध खाद्यपदार्थ विक्री केंद्रे, ब्लिंकिट आणि 9 to 9 स्टोअर्सची तपासणी केली. या तपासणीत खाद्यपदार्थांची साठवणूक, स्वच्छता, आरोग्यविषयक निकष आणि कालबाह्य उत्पादनांची पाहणी करण्यात आली. यावेळी अन्न सुरक्षा विभागाने सुमारे २,१३,९९,५३५ रुपये किमतीच्या खाद्यसामग्रीच्या विक्रीवर बंदी घातली. तपासणीदरम्यान अनेक अनियमितता आढळल्याने संबंधित आस्थापनांना नियमानुसार सुधारणा नोंटिसा देण्यात आल्या. खराब आणि कालबाह्य खाद्यपदार्थ नष्ट करण्याची कारवाईही करण्यात आली. पाटण्यातील बायपास रोडवरील नसीरपूर, ताजपूर येथील ब्लिंकिट गोदामाच्या तपासणीत 'होल फॉर्म' या ब्रँडच्या २७६ प्रकारच्या खाद्यपदार्थांच्या २५ टन साठ्याच्या वितरणावर बंदी



घालण्यात आली. तसेच 'बेसिक' ब्रँडच्या विविध प्रकारच्या ३,१०२ किलो डाळी आणि १९० किलो सुकामेव्याच्या विक्रीवरही बंदी घालण्यात आली. या खाद्यसामग्रीची एकूण किंमत सुमारे २,१३,९९,५३५ रुपये असल्याचे सांगण्यात आले. पाटण्यातील एस. के. नगर येथील 9 to 9 आस्थापनाच्या तपासणीत खराब आणि कालबाह्य खाद्यपदार्थ एकाच ठिकाणी साठवून ठेवल्याचे आढळले. अन्न सुरक्षा पथकाने आस्थापनाच्या संचालकाच्या उपस्थितीत हे पदार्थ नष्ट केले, जेणेकरून त्यांची पुन्हा विक्री होऊ नये. नष्ट करण्यात आलेल्या पदार्थांमध्ये १२ किलो सत्तू, २४ किलो रवा, १२ किलो बेसन, ४९ किलो गव्हाचे पीठ, ४९ किलो

मैदा आणि ६ किलो मसाल्यांचा समावेश होता. या पदार्थांची अंदाजित किंमत १४,७४० रुपये होती. पाटण्यातील इंद्रपुरी येथील ब्लिंकिट कॉमर्स प्रायव्हेट लिमिटेडच्या स्टोअरच्या तपासणीत ४९.५ लिटर कालबाह्य अमूल दूध आढळले. याशिवाय तांदूळ, तूप, रवा, मिश्र लोणचे, रतुकोन-डी आणि साखर यांचे एकूण सहा नमुने घेऊन तपासणीसाठी अन्न प्रयोगशाळेत पाठवण्यात आले. आनंदपुरी येथील ब्लिंकिट स्टोअर क्रमांक १६६ च्या तपासणीत साठवणुकीच्या रॅकवर धूळ आणि घाण आढळली. प्रोजेन रूममध्ये शाकाहारी आणि मांसाहारी खाद्यपदार्थ एकत्र ठेवण्यात आल्याचेही निदर्शनास आले. या नृटीमुळे संबंधित आस्थापनाला १४ दिवसांची सुधारणा नोंटीस देण्यात आली. या ठिकाणी १६२ किलो नारळाचा चुरा, ९५ किलो मोतीचूर लाडू आणि १३ किलो पीठ यांसह एकूण १९० किलो खाद्यसामग्री नष्ट करण्यात आली. या सामग्रीची अंदाजित किंमत सुमारे १६ हजार रुपये होती.

शेतकऱ्यांचा सन्मान, नैसर्गिक संसाधनांचे संरक्षण हे सामूहिक कर्तव्य : राष्ट्रपती



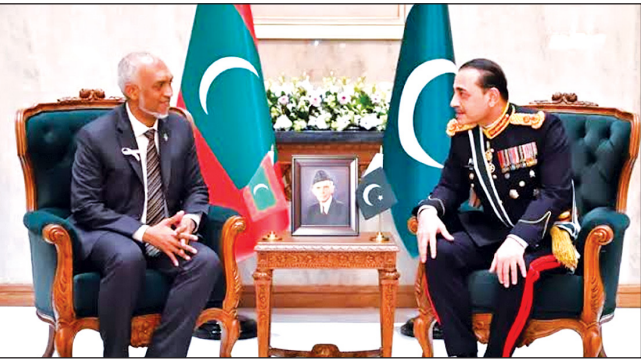
रायपूर: राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्मू यांनी गुरुवारी छत्तीसगडमधील रायपूर येथील सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोअर स्टेडियममध्ये नुआखाई महोत्सवानिमित्त आयोजित 'सेवा सन्मान पर्व' आणि 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रमात सहभाग घेतला. अन्नाचा सन्मान करणे, शेतकऱ्यांच्या योगदानाची जाणीव ठेवणे आणि नैसर्गिक संसाधनांचे संरक्षण करणे हे प्रत्येकाचे सामूहिक कर्तव्य असल्याचे त्यांनी सांगितले. रायपूरमधील या कार्यक्रमात राष्ट्रपतींनी तरुणांना पुस्तके वाचण्याचे, नवीन तंत्रज्ञान शिकण्याचे आणि प्रश्न विचारण्याचे आवाहन केले. तसेच महिलांनी राष्ट्र आणि समाजाच्या प्रगतीत सक्रिय भूमिका बजावावी, असेही त्यांनी सांगितले. आपल्या भाषणात राष्ट्रपती म्हणाल्या की, नुआखाई

मिलन सोहळा हा केवळ सांस्कृतिक कार्यक्रम नसून समृद्ध परंपरा, परस्पर सौहार्द आणि सामाजिक एकतेचा उत्सव आहे. असे कार्यक्रम आपल्याला आपल्या मुळांशी जोडण्याची, सांस्कृतिक वारशाचा अभिमान बाळगण्याची आणि भारतीय जीवनमूल्ये पुढील पिढ्यांपर्यंत पोहोचवण्याची संधी देतात. नुआखाई हा सण कृषिपरंपरेचे जतन करण्याचा, निसर्गाप्रती कृतज्ञता व्यक्त करण्याचा आणि सामुदायिक भावनेचा उत्सव असल्याचे त्यांनी सांगितले. अन्न हे केवळ भूक भागवण्याचे साधन नसून शेतकरी बंधू-भगिनींच्या परिश्रमाचे, धर्तीच्या उदारतेचे आणि निसर्गाच्या अमूल्य देणगीचे प्रतीक आहे, याची आठवण हा उत्सव करून देतो, असे त्या म्हणाल्या. मोठ्या संख्येने उपस्थित असलेल्या तरुणांना संबोधित करताना राष्ट्रपती म्हणाल्या की, प्रत्येकाच्या परिस्थिती आणि आव्हाने वेगवेगळी असू शकतात; मात्र प्रत्येक तरुणामध्ये काहीतरी नवीन करण्याची, अधिक चांगले घडवण्याची आणि स्वतःची ओळख निर्माण करण्याची जिद्द असली पाहिजे.

पाकिस्तानचे लष्करप्रमुख असीम मुनीर यांची मालदीवचे अध्यक्ष मुइज्जु यांच्याशी भेट

इस्लामाबाद : पाकिस्तानचे लष्करप्रमुख आणि संरक्षण दलांचे प्रमुख फील्ड मार्शल सय्यद असीम मुनीर यांनी इस्लामाबाद येथे मालदीवचे अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मुइज्जु यांची भेट घेतली. या भेटीत द्विपक्षीय संबंध अधिक मजबूत करणे, संरक्षण सहकार्य वाढवणे आणि प्रादेशिक सुरक्षेच्या सद्यस्थितीचा आढावा घेणे यावर चर्चा झाली. पाकिस्तानच्या उर्दू वृत्तवाहिनी दुन्या न्यूजच्या वृत्तानुसार, दोन्ही बाजूंनी पाकिस्तान

आणि मालदीव यांच्यातील संरक्षण संबंध अधिक दृढ करण्याची गरज अधोरेखित केली. तसेच लष्करी अधिकाऱ्यांमधील संस्थात्मक संपर्क वाढवणे आणि व्यावसायिक आदानप्रदानाला प्रोत्साहन देण्याबाबतही चर्चा करण्यात आली. बैठकीदरम्यान मुनीर आणि अध्यक्ष मुइज्जु यांनी परस्पर हिताच्या विविध मुद्द्यांवर विचारविनिमय केला. संरक्षण क्षेत्रातील सहकार्य वाढवणे आणि संबंधित संस्थांमधील संवाद अधिक प्रभावी करणे महत्त्वाचे



असल्याचे दोन्ही बाजूंनी नमूद केले. पाकिस्तानने दोन्ही देशांमधील दीर्घकालीन मैत्रीपूर्ण संबंधांचा

उल्लेख करत द्विपक्षीय सहकार्य पुढे नेण्याच्या आपल्या बांधिलकीचा पुनरुच्चार केला. प्रादेशिक सुरक्षेची

सद्यस्थिती आणि परस्पर हिताशी संबंधित मुद्द्यांवरही बैठकीत विशेष भर देण्यात आला. प्रादेशिक शांतता, स्थैर्य आणि सुरक्षेला प्रोत्साहन देण्यासाठी संवाद आणि सहकार्य आवश्यक असल्याचे दोन्ही बाजूंनी स्पष्ट केले. रचनात्मक चर्चेच्या माध्यमातून प्रादेशिक स्थैर्याला चालना देण्यासाठी पाकिस्तान कटिबद्ध असल्याचे मुनीर यांनी सांगितले. दोन्ही देशांमधील नियमित संपर्क कायम ठेवण्यावर आणि परस्पर सहकार्याच्या विद्यमान

संधी वाढवण्यावरही त्यांनी भर दिला. मालदीवचे अध्यक्ष मोहम्मद मुइज्जु यांनी पाकिस्तानच्या सशस्त्र दलांच्या व्यावसायिक क्षमतेचे कौतुक केले. प्रादेशिक शांतता आणि स्थैर्याला प्रोत्साहन देण्यासाठी पाकिस्तान करत असलेल्या प्रयत्नांचीही त्यांनी प्रशंसा केली. संरक्षण सहकार्य पुढे नेणे आणि संस्थात्मक संबंध अधिक मजबूत करणे आवश्यक असल्यावर दोन्ही बाजूंनी सहमती दर्शवली. हिंदी महासागर क्षेत्रातील सुरक्षेच्या

व्यापक संदर्भात पाकिस्तान आणि मालदीव यांच्यातील संरक्षण सहकार्याला महत्त्व आहे. भौगोलिक स्थानामुळे मालदीवसाठी सागरी सुरक्षा, प्रादेशिक स्थैर्य आणि इतर देशांशी संरक्षणविषयक संबंध हे महत्त्वाचे प्राधान्यक्रम आहेत. सध्या या चर्चेचा मुख्य भर द्विपक्षीय संबंध मजबूत करणे, व्यावसायिक आदानप्रदान वाढवणे आणि प्रादेशिक सुरक्षेशी संबंधित मुद्द्यांवर सहकार्य कायम ठेवणे यावर आहे.

अनिल कपूर बोले, मेरे जुड़वां भाई जैसे थे सतीश कौशिक

अभिनेता अनिल कपूर अपने दिवंगत दोस्त और अभिनेता-निर्देशक सतीश कौशिक को याद कर भावुक हो गए। टीवी शो 'इंडिया के टॉप 1% - द अनिल कपूर शो' के आगामी एपिसोड में सतीश कौशिक जैसी शक्ति वाले प्रतियोगी गगन से मुलाकात के दौरान अनिल ने अपने दोस्त से जुड़े कई पुराने किस्से शेयर किए। गगन ने बताया कि लोग अक्सर उनकी तुलना सतीश कौशिक से करते हैं। उन्होंने दिल्ली में टीवी शो 'सुमित संभाल लेगा' की शूटिंग के दौरान सतीश से मुलाकात



का अनुभव भी शेयर किया, जिसने अनिल को अपने पुराने दिनों की याद दिला दी। अपनी दोस्ती के बारे में बात करते हुए अनिल ने कहा कि

सतीश के साथ उनका रिश्ता शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि सतीश अक्सर उनकी प्रतिभा की तारीफ किया करते थे और

वह प्यार से उन्हें 'डैनी डेविटो' बुलाते थे। दोनों को फिल्म 'ट्विन्स' पसंद थी और वे साथ में जुड़वां भाइयों की भूमिका निभाने की कल्पना करते थे। अनिल ने कहा, अगर मेरा कोई जुड़वां भाई बन सकता है, तो वह सिर्फ सतीश था, क्योंकि उसको मेरे बारे में हर चीज पता थी। मेरा गुस्सा, मेरी खुशी, हर चीज। वह मुझे बहुत अच्छी तरह जानता था। इस बातचीत से दोनों के बीच गहरे भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिली। कार्यक्रम में भावुक पलों के बीच हंसी-मजाक भी देखने को मिला। अनिल और

गगन ने सतीश कौशिक का लोकप्रिय संवाद, मेरा नाम है कैलेंडर, मैं चला किचन के अंदर! दोहराया। गगन की प्रस्तुति से खुश होकर अनिल ने कहा, आपने मेरा दिल जीत लिया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अगर कोई 'ट्विन्स' से प्रेरित फिल्म बनाने के लिए तैयार हो, तो वह उन्हें और गगन को जुड़वां भाइयों की भूमिका में ले सकता है। 'इंडिया के टॉप 1% - द अनिल कपूर शो' का प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात आठ बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर होता है।

फिल्म 'किंग' में फिर साथ दिखेंगे शाहरुख और दीपिका



अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों आगामी फिल्म 'किंग' के एक गाने की शूटिंग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस गाने की शूटिंग 26 अक्टूबर को मुंबई में होगी। इसकी कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी वैभव मंचेट को सौंपी जा सकती है। निर्माताओं ने गाने की शूटिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, गाने के शीर्षक, संगीतकार और इससे जुड़े अन्य कलाकारों के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस गाने में फिल्म की पूरी कास्ट शामिल हो सकती है। इससे पहले भी शाहरुख और दीपिका के फिल्म के सेट से कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें दोनों गाने की शूटिंग करते दिखाई दिए थे। हालांकि, आगामी गाने के बारे में

निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। शाहरुख और दीपिका इससे पहले 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'पठान' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में दोनों की जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही 'किंग' का निर्माण शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में शाहरुख और दीपिका के अलावा सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत और अरशद वारसी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक्शन थ्रिलर इस फिल्म में शाहरुख एक बार फिर दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे। फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करियर के संघर्ष और परिवार को याद कर भावुक हुए आमिर

अभिनेता आमिर खान सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपने जीवन और करियर के अनुभव शेयर करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि करीब तीन दशकों तक काम के प्रति जुनून में डूबे रहने के कारण वह अपने निजी रिश्तों को पर्याप्त समय नहीं दे पाए। कोविड महामारी के दौरान जब उन्होंने अपनी जिंदगी पर विचार किया, तब उन्हें इस नुकसान का एहसास हुआ। आमिर ने कहा कि कुछ वर्षों तक काम में पूरी तरह डूबे रहना समझ में आता है, लेकिन अगर यह सिलसिला दशकों तक चलता रहे तो जीवन के अहम रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। बच्चों के बड़े होकर वयस्क हो जाने के बाद उन्हें एक गहरे खालीपन का अनुभव हुआ। अपनी बात



कहते हुए वह आंसू नहीं रोक पाए और कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने दर्शकों से माफी मांगी। इस पर सभागार तालियों से गुंज उठा। आमिर ने बताया कि पिछले चार वर्षों से वह

जानबूझकर अपने परिवार के लिए अधिक समय निकाल रहे हैं, ताकि काम उनकी पूरी जिंदगी पर हावी न हो। उन्होंने राहत जताई कि उन्हें यह एहसास 56 साल की उम्र में हुआ, न कि 86 वर्ष की उम्र में, जब बदलाव करना मुश्किल हो सकता था। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने शुरुआती करियर के संघर्षों को भी याद किया। आमिर के मुताबिक, पहली फिल्म 'कयामत से कयामत तक' की अप्रत्याशित सफलता के बाद उन्होंने महज छह महीने में नौ फिल्में साइन कर ली थीं। हालांकि, इनमें से कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुईं। इसके बाद उन्हें डर सताने लगा कि कहीं उन्हें एक हिट फिल्म देकर गुम हो जाने वाले अभिनेता के रूप में न याद किया जाए।

लगातार फिल्मों के असफल होने से आमिर पर मानसिक और भावनात्मक दबाव बढ़ गया था। उन्होंने बताया कि उस दौर में वह घर लौटकर अपनी पूर्व पत्नी रीना दत्ता के सामने रो पड़े थे। अपने संघर्ष को याद करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता था, जैसे वह दलदल में फंसे जा रहे हैं और बाहर निकलने की हर कोशिश उन्हें और गहराई में धकेल रही है। गौरतलब है कि आमिर नौ साल बाद सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह वर्ष 2017 में अपनी फिल्म 'सोफ्रेट सुपरस्टार' के सिलसिले में यहां आए थे। इस बार वह बतौर निर्माता अपनी फिल्म 'लगान' की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए।

अक्टूबर की गर्मी से रहें सावधान, सेहत को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये उपाय

अक्टूबर को आमतौर पर मौसम बदलने का महीना माना जाता है, लेकिन देश के कई हिस्सों में इस दौरान दिन के समय गर्मी अभी भी परेशान कर रही है। तापमान सामान्य से ज्यादा रहने पर बाहर निकलना, लगातार धूप में रहना या पर्याप्त पानी न पीना शरीर के लिए परेशानी बढ़ा सकता है।
बढ़ती गर्मी शरीर को कैसे प्रभावित करती है?
ज्यादा गर्मी में शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीना निकालता है। लंबे समय तक गर्मी और उमस में रहने से शरीर में पानी और जरूरत के पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। इससे कमजोरी, ज्यादा पसीना आना, सिरदर्द, चक्कर, मांसपेशियों में ऐंठन, मतली और थकान जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। अगर शरीर बहुत ज्यादा गर्म हो जाए, तो हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इसके लक्षणों में बेहोशी, शरीर का बढ़ता तापमान और चेतना में बदलाव



हो सकते हैं।
डिहाइड्रेशन से बचना जरूरी
अक्टूबर की गर्मी में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी है। प्यास लगने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। बाहर निकलते समय अपने साथ पानी की बोतल रखें और दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पीते रहें। पेशाब का गहरा पीला रंग डिहाइड्रेशन के लक्षण हो सकते हैं।
धूप में निकलने का समय सोच-समझकर चुनें
● अगर आपके इलाके में

कपड़ों का भी रखें ध्यान
गर्मी में ढीले, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनना बेहतर रहता है। बाहर निकलते समय धूप से बचाव के लिए छाता, टोपी और चश्मे का इस्तेमाल करें। त्वचा को तेज धूप से बचाने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग जरूर करें।
इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें
गर्मी में अगर लगातार तेज पसीना आ रहा हो, सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी, मतली, मसल पेन या ब्रैदिंग प्रॉब्लम हो रही है, तो इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज न करें। ये गर्मी से होने वाली बीमारी के संकेत हो सकते हैं।
बच्चों और बुजुर्गों का रखें खास ध्यान
छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी स्वास्थ्य समस्या वाले लोगों में गर्मी से जुड़ी परेशानी का जोखिम अधिक होता है। ऐसे लोगों को लंबे समय तक तेज गर्मी में रहने से बचना चाहिए।

हर सिरदर्द माइग्रेन नहीं होता, जानें दोनों के लक्षणों में क्या है अंतर

दिनभर की भागदौड़, काम का दबाव, नींद की कमी और तनाव के चलते सिर में दर्द होना एक आम समस्या है। कई बार लोग इसे थकान या सामान्य सिरदर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं या दर्द कम करने के लिए दवा ले लेते हैं। लेकिन हर तरह का सिरदर्द एक जैसा नहीं होता। कुछ मामलों में यह माइग्रेन का संकेत भी हो सकता है, जिसमें सिरदर्द के साथ मतली, उल्टी, रोशनी और तेज आवाज से परेशानी जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। सामान्य सिरदर्द और माइग्रेन के बीच अंतर समझना इसलिए जरूरी है, क्योंकि दोनों के कारण, लक्षण और इलाज के तरीके अलग हो सकते हैं। सही समय पर लक्षणों को पहचानने से उचित उपचार लेने और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने वाले इसके असर को कम करने में मदद मिल सकती है। तो आइए जानते हैं कि सामान्य सिरदर्द और माइग्रेन क्या हैं, इनके लक्षणों में क्या अंतर होता है और किन संकेतों के आधार पर इनकी पहचान की जा सकती है।

सिर दर्द क्या है?
सिर दर्द एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति दर्द के साथ ही दबाव भी महसूस करता है। इसकी पहचान है कि मामूली यह दर्द पूरे सिर में होता है पर इसकी रेंज कम या ज्यादा कुछ भी हो सकती है। वहीं, यह आम सिर



दर्द माथे, कनपटी, गर्दन के ऊपरी हिस्से में होता है, जो 5 मिनट से लेकर 4 घंटे तक रह सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो आम सिर दर्द अक्सर तनाव के चलते होता है। इसके अलावा, एंजाइटी, मांसपेशियों में तनाव, आंखों पर जोर पड़ना जैसे कई कारक इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।
माइग्रेन क्या है?
सिर दर्द से हटकर माइग्रेन एक गंभीर रूप है, जिसमें दर्द के साथ ही और भी कई लक्षण देखने को मिलते हैं, जैसे- गर्दन और कंधे में दर्द, मतली, कान के पीछे या ऊपरी हिस्से में दर्द होना, देखने में परेशानी, लाइट, साउंड को लेकर सेंसिटिविटी, उल्टी और मांसपेशियों में तनाव।
माइग्रेन के दो प्रकार
माइग्रेन के एपिसोड्स को दो श्रेणी में बांटा गया है, जिनमें बिना ऑफ़ के माइग्रेन और

ऑफ़ के साथ माइग्रेन शामिल है। यहां ऑफ़ का मतलब है माइग्रेन अटैक से पहले 10-30 मिनट के बीच मिलने वाले शारीरिक संकेत। इनमें दिमाग का अलर्ट न रहना, सोचने में परेशानी, फ्लैश लाइट दिखना या अजीब सी लाईंस दिखना, हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्न हो जाना, अजीब सी महक और स्वाद आने जैसे लक्षण शामिल हैं।
माइग्रेन की कैसे पहचान करें?
● माइग्रेन में सिर दर्द गंभीर रूप से होता है, कई बार तो इतना ज्यादा कि इमरजेंसी में अस्पताल जाना पड़ सकता है।
● ज्यादातर मामलों में यह दर्द सिर के किसी एक हिस्से में होता है।
● माइग्रेन का दर्द इतना तीव्र होता है कि रोजमर्रा के काम में दखल दे सकता है।
● यह दर्द 3 घंटे से लेकर 72 घंटों यानी 3 दिन तक बना रह सकता है।

महिलाओं की सेहत के लिए खास है साबूदाना खिचड़ी?

साबूदाना खिचड़ी लोकप्रिय फलाहारी डिश में से एक है। हल्का स्वाद, आसानी से बनने वाली रेसिपी और ऊर्जा देने वाले गुणों के कारण यह कई लोगों की पसंद बनी हुई है। साबूदाने के साथ मूंगफली, करी पत्ता, हरा धनिया, हरी मिर्च और जीरे का इस्तेमाल इसके स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ इसमें अलग-अलग पोषक तत्व भी जोड़ता है। यही वजह है कि साबूदाना खिचड़ी को केवल व्रत तक सीमित न रखकर रोजमर्रा के खानपान में भी शामिल किया जाता है। महिलाओं की सेहत, पीरियड्स और हार्मोनल हेल्थ को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है कि पारंपरिक भारतीय खानपान किस तरह शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकता है। पीरियड्स के दौरान होने वाली थकान, सिरदर्द और प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम (PMS) जैसे लक्षणों के बीच संतुलित डाइट की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में साबूदाना खिचड़ी के पोषण, इसे खाने के सही तरीके

और महिलाओं की सेहत के लिहाज से इसकी उपयोगिता को समझना जरूरी है। सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट ऋजुता दिवेकर, जो करीना कपूर, वरुण धवन और सैफ अली खान समेत कई बॉलीवुड सितारों के खानपान से जुड़ी रही हैं, साबूदाना खिचड़ी और महिलाओं की सेहत के बीच संबंध को समझने में मदद करती हैं। हालांकि, साबूदाना खिचड़ी को किसी भी हार्मोनल समस्या या पीरियड्स की परेशानी का इलाज नहीं माना जाना चाहिए। इसकी पौष्टिकता इस बात पर भी निर्भर करती है कि इसे किन सामग्रियों के साथ और किस उठता है कि पारंपरिक भारतीय खानपान किस तरह शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकता है। पीरियड्स के दौरान होने वाली थकान, सिरदर्द और प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम (PMS) जैसे लक्षणों के बीच संतुलित डाइट की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में साबूदाना खिचड़ी के पोषण, इसे खाने के सही तरीके



स्रोत है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। इसमें प्रोटीन और फाइबर बहुत कम मात्रा में होते हैं। वहीं, खिचड़ी में इसके साथ डाली जाने वाली मूंगफली से प्रोटीन और गुड फैट मिलता है। करी पत्ता, धनिया और मसाले स्वाद बढ़ाने के साथ भोजन में डायवसिंटी को जोड़ते हैं। इस तरह साबूदाना खिचड़ी की पौष्टिकता केवल साबूदाने पर नहीं, बल्कि इसे बनाने की विधि और इसमें इस्तेमाल की

जाने वाली सामग्री पर भी निर्भर करती है। इसे दही या पनीर के साथ कंज्यूम करने से यह एक कंप्लीट फूड बन जाता है। महिलाओं की पीरियड्स और हार्मोनल हेल्थ में साबूदाना खिचड़ी की भूमिका पर सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट की राय। महिलाओं की सेहत से इसका क्या संबंध है?
बीमारी के बाद खाने की इच्छा कम हो तब
बुखार या फ्लू के बाद भूख कम होने लगता

है, ऐसे में कुछ लोगों को नरम और हल्का भोजन खाना अच्छी लगता है। साबूदाना खिचड़ी ऐसा एक विकल्प है, जिसे खाने के बाद सटायटी महसूस होती है और यह एक कंप्लीट फूड की तरह काम करता है।
पीरियड्स और हार्मोन संबंधी परेशानी में
ऋजुता का मानना है कि साबूदाना खिचड़ी ज्यादा ब्लीडिंग, ओव्यूलेशन के समय स्पांटिंग और प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम (PMS) के लक्षणों में फायदेमंद है। लेकिन इन समस्याओं को कम करने के लिए साबूदाना खिचड़ी खाने की मात्रा या समय तय करना जरूरी है।
पीरियड्स से पहले थकान या सिरदर्द होने पर
पीरियड्स से पहले होने वाली थकान या सिरदर्द या पीएमएस के लक्षण के कई कारण हो सकते हैं। साबूदाना खिचड़ी भूख के अनुसार भोजन का विकल्प हो सकती है, जिसे एक हेल्दी डाइट ऑप्शन के तौर

पर खाया जा सकता है। यह एक तरह का कंफर्टिंग फूड है।
कब डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है?
अगर पीरियड्स में बार-बार बहुत ज्यादा खून आता है, बीच में स्पांटिंग होती है, तेज दर्द रहता है या थकान रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती है, तो स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लें। ऐसी समस्याएं एंडोमेट्रियोसिस जैसी समस्या के भी लक्षण हो सकते हैं।
साबूदाना खिचड़ी को कैसे बनाएं ज्यादा संतुलित?
साबूदाना खिचड़ी बनाने समय मूंगफली की उचित मात्रा रखें और चाहें तो साथ में दही या पनीर लें। साबूदाने की मात्रा अपनी जरूरत के अनुसार रखें, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट अधिक और फाइबर कम होता है। डायबिटीज या ब्लड शुगर की समस्या होने पर इसकी मात्रा को नियंत्रण में रखें। इसमें मूंगफली, हरा धनिया, हरी मिर्च, नींबू व जीरे का तड़का डालकर कंप्लीट करें।

कुएं में गिरी गाय को पुलिस और फायर टीम ने सुरक्षित निकाला



संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। नवाबगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत जैतीपुर के मजरा आदमपुर हड़ैया में गुरुवार रात करीब दो बजे किसान सुनीत रावत की गाय अचानक कुएं में गिर गई। घटना से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पीआरबी 8322 ने मामले की जानकारी थाना सोहरामऊ के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द पाण्डेय को दी, जिसके बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। उपनिरीक्षक देशराज सिंह, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और महबूब ने फायर सर्विस टीम के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। फायर सर्विस के चालक मनोज कुमार, फायरमैन राकेश गोशी, वृजनीश कुमार, प्रदीप पांडेय और होमगार्ड केशर सिंह ने कड़ी मशक्कत के बाद गाय को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस और फायर सर्विस की तत्परता से गाय की जान बच गई, जिससे किसान परिवार ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू टीम की सराहना की।

एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए रो पड़े सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल

संवाददाता
आगरा, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए शुक्रवार को मतदान के दौरान आगरा शिक्षक खंड से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने चुनाव प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी के आरोप लगाए। मीडिया से बातचीत के दौरान वे भावुक होकर रो पड़े और कहा कि यदि उनके साथ ऐसा ही व्यवहार होता रहा तो वे लखनऊ जाकर धर्म परिवर्तन कर लेगे। आकाश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं को विभिन्न मतदान केंद्रों पर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने खेरावढ़ में मतदान प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए दावा किया कि पीठासीन अधिकारी के भोजन करने के दौरान लोगों को बाहर कर दिया गया। उन्होंने छाता क्षेत्र के एक बूथ पर भी बूथ कैप्चरिंग का

शिवा शर्मा हत्याकांड में श्रद्धा दुबे समेत तीनों आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता
लखनऊ, उत्तर प्रदेश। कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक तनवीर उर्फ दानिश को अदालत से राहत नहीं मिली। शुक्रवार को सीजेएम कोर्ट ने तीनों आरोपियों की जमानत अर्जियां खारिज कर दी। अदालत ने मामले की गंभीर प्रकृति और इसका ट्रायल सेशन कोर्ट में होने का हवाला देते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। तीनों आरोपियों की ओर से सीजेएम कोर्ट में अलग-अलग जमानत अर्जियां दाखिल की गई थीं। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने राहत देने की मांग की, लेकिन अदालत ने कहा कि मामला गंभीर प्रकृति का है और उपलब्ध परिस्थितियों में आरोपियों को जमानत देने का उचित आधार नहीं बनता। श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक तनवीर उर्फ दानिश को 20 अक्टूबर को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तीनों को लखनऊ लाया गया। पुलिस ने गुरुवार को तीनों आरोपियों से करीब छह घंटे 35 मिनट तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस ने शिवा शर्मा की मौत से जुड़े घटनाक्रम, आरोपियों की गतिविधियों, आपसी संपर्क और घटना के बाद उनकी आवाजाही से संबंधित कई बिंदुओं पर जानकारी जुटाने का प्रयास किया। पूछताछ पूरी होने के बाद तीनों को अदालत के आदेश पर 10 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।



जेल में श्रद्धा और रश्मि की पहली रात बेचैनी में बीती
जिला जेल पहुंचने के बाद श्रद्धा दुबे और रश्मि दुबे की पहली रात सामान्य नहीं रही। संवाद न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेल के माहौल और मच्छरों के कारण दोनों बहनें देर रात तक सो नहीं सकीं। बताया गया कि जेल पहुंचने के बाद दोनों ने रात का भोजन किया। इसके बाद वे काफी देर तक बैठकर आपस में बातचीत करती रहीं। देर रात दोनों अपने-अपने बिस्तर पर चली गईं, लेकिन उन्हें ठीक से नींद नहीं आई। सुबह उठने के बाद दोनों ने नाश्ते में दलिया लिया और फिर नहाने चली गईं। जेल प्रशासन की ओर से उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तनवीर उर्फ दानिश भी रातभर रहा बेचैन
उधर, चालक तनवीर उर्फ दानिश की भी जेल में पहली रात बेचैनी में बीती। रिपोर्ट

के मुताबिक, उसने रात में खाना लिया, लेकिन पूरा भोजन नहीं किया। हल्का भोजन करने के बाद वह अपने बिस्तर पर लेट गया, हालांकि देर रात तक उसे नींद नहीं आई। जेल प्रशासन ने तीनों बंदियों को नियमानुसार रखा है और उनकी सुरक्षा तथा गतिविधियों पर निगरानी की जा रही है।

जमानत के लिए अब ऊपरी अदालत का रास्ता
सीजेएम कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद अब आरोपियों के पास उच्च अदालत में जमानत के लिए आवेदन करने का विकल्प रहेगा। फिलहाल तीनों आरोपी जेल में हैं और मामले में आगे की न्यायिक एवं पुलिस कार्रवाई जारी है।

शिवा शर्मा हत्याकांड में पुलिस अब तक सामने आए तथ्यों, आरोपियों से हुई पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इस मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि अदालत में साक्ष्यों और ट्रायल के आधार पर ही होगी।

बूथ कैप्चरिंग और समर्थकों को परेशान करने का लालचा आरोप, बोले— लखनऊ जाकर धर्म परिवर्तन करूंगा



बौद्ध धर्म की ओर झुकाव का भी उल्लेख किया है। आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित था, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होनी है। फिलहाल सपा

प्रत्याशी के आरोपों ने मतदान प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। बूथ कैप्चरिंग और प्रशासनिक पक्षपात के आरोपों की सत्यता किसी आधिकारिक बजे तक निर्धारित था, जबकि मतगणना रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

पटना स्नातक MLC चुनाव में कांग्रेस नेता ने लगाया ‘वोट चोरी’ का आरोप

■ **चंदन कुमार बोले— बूथ पहुंचा तो बताया गया मेरे नाम पर वोट पड़ चुका, शिकायत के बाद मतदान की अनुमति मिली**
संवाददाता
पटना। बिहार विधान परिषद के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में शुक्रवार को मतदान के दौरान पटना जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष चंदन कुमार ने उनके नाम पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वोट डाल दिए जाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि विक्रम प्रखंड के बूथ संख्या 11 पर मतदान करने पहुंचने पर निर्वाचन कर्मियों ने बताया कि उनके नाम पर पहले ही मतदान हो चुका है। इसके बाद चंदन कुमार ने मतदान

केंद्र पर विरोध जताया और फेसबुक लाइव के जरिए मामला उठाया। उन्होंने इसकी जानकारी जिलाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी को भी दी। उनके अनुसार, जिलाधिकारी के निर्देश के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रप्र भरवाया गया और उन्हें मतदान करने की अनुमति दी गई। चंदन कुमार ने इस घटना को गंभीर बताते हुए मतदान व्यवस्था पर सवाल उठाए। हालांकि उनके नाम पर पहले किसने मतदान किया और यह त्रुटि किस स्तर पर हुई, इसकी आधिकारिक जांच का निष्कर्ष अभी सामने नहीं आया है।

पटना स्नातक सीट पर बहुकोणीय मुकाबला
पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू ने



मौजूदा विधान पार्षद नीरज कुमार को फिर उम्मीदवार बनाया है। जन सुराज ने डॉ. अनुज कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। इस सीट पर अन्य दलों के प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे मुकाबला बहुकोणीय बना हुआ है। पटना स्नातक सीट पर जदयू

के भीतर भी राजनीतिक खींचतान चर्चा में रही। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी नीरज कुमार का विरोध करते हुए जन सुराज के अनुज कुमार सिंह को समर्थन देने की घोषणा की थी। उन्होंने इसे नीरज कुमार के साथ अपना व्यक्तिगत राजनीतिक विवाद बताया था। बाद में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हस्तक्षेप के बाद यह बात सामने आई कि अनंत सिंह नीरज कुमार के पक्ष में प्रचार नहीं करेंगे, लेकिन उनके खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से परहेज करेंगे। शुक्रवार के मतदान के बीच चंदन कुमार द्वारा उठाया गया कथित ‘वोट चोरी’ का मामला अब निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर चर्चा का विषय बन गया है।

नर्मदा में रेत उत्खनन पर कार्रवाई: 14 नाव-इंजन और पनडुब्बी मशीन जब्त

संवाददाता
सीहोर, मध्य प्रदेश। जिले के भैरूदा क्षेत्र में नर्मदा नदी से रेत उत्खनन की गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए खनिज विभाग ने छिपानेर, रानीपुरा और चौरसाखेड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने रेत निकालने में इस्तेमाल हो रहे 14 नाव-इंजन और एक पनडुब्बी मशीन जब्त की है। कुल 15 उपकरणों को कार्रवाई के बाद गोपालपुर थाने के सुपुर्द कर दिया गया। एक साथ बड़ी संख्या में रेत उत्खनन से जुड़े उपकरण जब्त किए जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। खनिज विभाग की टीम ने नर्मदा नदी क्षेत्र में पहुंचकर उन स्थानों पर कार्रवाई की, जहां रेत निकालने के लिए नावों और अन्य मशीनों के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई थी। कार्रवाई के दौरान छिपानेर, रानीपुरा और चौरसाखेड़ी क्षेत्र से 14 नावों में लगे इंजन तथा रेत निकालने में इस्तेमाल होने वाली एक पनडुब्बी मशीन को कब्जे में लिया गया। जब्ती के बाद सभी उपकरणों को सुरक्षित

रखवाने और आगे की वैधानिक प्रक्रिया के लिए गोपालपुर थाने को सौंप दिया गया। माइनिंग अधिकारी राहुकुमार बराठे के अनुसार, संबंधित क्षेत्रों में रेत उत्खनन की गतिविधियों को लेकर यह कार्रवाई की गई। विभाग अब जन्त उपकरणों से जुड़े तथ्यों और उनके उपयोग की परिस्थितियों की जांच कर रहा है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी, दर्ज प्रकरणों की संख्या अथवा संबंधित उपकरणों के मालिकों के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में आगे की जांच और वैधानिक कार्रवाई के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामले में किसने लोगों की जिम्मेदारी तय की जाती है।

नर्मदा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की जरूरत
नर्मदा नदी में नियमों के विपरीत रेत उत्खनन केवल खनिज संपदा से जुड़ा मामला नहीं है। अनियंत्रित उत्खनन से नदी की प्राकृतिक धारा, तटों की स्थिति और आसपास के पर्यावरण पर असर पड़ने की आशंका रहती है। नदी तल से अत्यधिक

भैरूदा क्षेत्र के छिपानेर, रानीपुरा और चौरसाखेड़ी में खनिज विभाग की कार्रवाई, जब्त उपकरण गोपालपुर थाने के सुपुर्द



रेत निकाले जाने पर स्थानीय परिस्थितिकी और जल प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। इसी कारण खनिज विभाग द्वारा नदी क्षेत्र में नियमित निगरानी, निरीक्षण और नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पनडुब्बी मशीन की जब्ती अहम
इस कार्रवाई में पनडुब्बी मशीन की जब्ती भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऐसी मशीनों का उपयोग नदी के भीतर से रेत निकालने के लिए किया जाता है। विभाग अब यह

जांच करेगा कि मशीन और नाव-इंजन किन लोगों के नियंत्रण में थे और उनका उपयोग किन परिस्थितियों में किया जा रहा था। खनिज विभाग की इस कार्रवाई से रेत उत्खनन में मशीनों और नावों के इस्तेमाल पर सख्ती का संदेश गया है। हालांकि कार्रवाई का स्थायी असर इस बात पर निर्भर करेगा कि संबंधित क्षेत्रों में आगे कितनी नियमित निगरानी की जाती है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कितनी तेजी से कानूनी कार्रवाई होती है।

आगे की वैधानिक कार्रवाई पर नजर
छिपानेर, रानीपुरा और चौरसाखेड़ी में हुई कार्रवाई के बाद अब जन्त उपकरणों से संबंधित वैधानिक प्रक्रिया मकत्वपूर्ण संजॉच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झांसी में 37 केंद्रों पर होगी PET 2026 परीक्षा 15,697 परीक्षार्थी होंगे शामिल

संवाददाता
झांसी, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) 2026 जनपद के 37 परीक्षा केंद्रों पर 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी। परीक्षा में कुल 15,697 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि 23 अक्टूबर की शाम तक सभी परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील कर दिए जाएं। बायोमेट्रिक उपस्थिति के लिए तैनात कर्मचारियों की सूची पहले उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनका सत्यापन कराया जा सके। कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लिखित रूप में तय करने और उनकी सूची परीक्षा से पहले उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। परीक्षा केंद्रों पर बिजली, साफ-सफाई, शौचालय और पेयजल सहित सभी जरूरी सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में



दीवार घड़ी लगाकर उसका समय भी सही रखने के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर केंद्र व्यवस्थापक और सहायक केंद्र व्यवस्थापक से समन्वय बनाने को कहा। सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा के दिन सुबह 6 बजे तक अपने निर्धारित केंद्र पर पहुंचना होगा और कलेक्ट्रेट स्थित परीक्षा नियंत्रण कक्ष को अपनी उपस्थिति की सूचना देनी होगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की प्रत्येक तिथि पर सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने आवंटित केंद्रों पर भ्रमणशील रहेंगे और परीक्षा की शुचिता तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे। जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163

डाकघरों में डिजिटल भुगतान से उपभोक्ताओं को परेशानी रजिस्ट्री और स्पीड पोस्ट के लिए नकद भुगतान को लेकर असमंजस, बुजुर्ग और ग्रामीण अधिक प्रभावित

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ऑनलाइन भुगतान को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन डाकघरों में रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट और अन्य सेवाओं के शुल्क भुगतान को लेकर कुछ उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कई बार डाक सेवाओं के लिए नकद भुगतान के बजाय ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने को कहा जाता है। ऐसे में जिन लोगों के पास यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग या स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है, उन्हें दूसरे लोगों की मदद लेनी पड़ती है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग, ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले नागरिक, किसान और ऐसे लोग प्रभावित होते हैं जो रोजमर्रा के लेनदेन में नकद रुपये का उपयोग करते हैं। डाकघरों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग सरकारी और निजी दस्तावेजों की रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट तथा जरूरी कागजात भेजने पहुंचते हैं। कई मामलों में दस्तावेज निर्धारित समयसीमा



के भीतर न्यायालय, सरकारी विभाग, शैक्षणिक संस्थान या अन्य कार्यालयों तक भेजना जरूरी होता है। ऐसे में भुगतान में परेशानी होने से समय और काम दोनों प्रभावित हो सकते हैं। डिजिटल भुगतान से पारदर्शिता और सुविधा बढ़ती है, लेकिन सभी नागरिक सभी डिजिटल माध्यमों के उपयोग में समान रूप से सक्षम नहीं हैं। ऐसे में डाकघरों जैसी सार्वजनिक सेवाओं में भुगतान के सभी उपलब्ध विकल्पों की

स्पष्ट जानकारी उपभोक्ताओं को देना आवश्यक है। यदि किसी सेवा में नकद भुगतान सीमित या अनुपलब्ध है, तो इससे जुड़े विभागीय नियम और निर्देश भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाने चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। उपभोक्ताओं का कहना है कि डाकघर कर्मचारियों को भुगतान के उपलब्ध विकल्पों की स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, जिससे विशेषकर बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों को भटकना न पड़े।

कन्या भोज और विशाल भंडारे के साथ रामलीला का समापन

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। बांगरमऊ नगर में कई दिनों से चल रही रामलीला का किशोरावस्था के अंतिम दिन का कार्यक्रम शुक्रवार को कन्या भोज और विशाल भंडारे के साथ विधिवत समापन हुआ। रामलीला अस्थल पर आयोजित कार्यक्रम में नगर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।



कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन से हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया और उपहार भेंट किए गए। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गुंजता रहा। रामलीला समिति के

इंदौर से बैकॉक के लिए 2 दिसंबर से सीधी उड़ान

संवाददाता
इंदौर, मध्य प्रदेश। थाईलैंड जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। एयर इंडिया एक्सप्रेस इंदौर से बैकॉक के बीच सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने जा रही है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) के फाइनल विंटर शेड्यूल में इस उड़ान की शुरुआत 2 दिसंबर से निर्धारित की गई है। नई उड़ान शुरू होने से इंदौर की अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी और बैकॉक जाने वाले यात्रियों को दूसरे शहरों से कनेक्टिंग फ्लाइट लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फिलहाल यात्रियों को एयरलाइन की ओर से आधिकारिक बुकिंग शुरू होने का इंतजार है। DGCA के विंटर शेड्यूल के अनुसार इंदौर-बैकॉक उड़ान सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होगी। यह शेड्यूल 26 मार्च 2027 तक विनिर्धारित किया गया है। इस मार्ग पर बोइंग 737 मैक्स-8 विमान के संचालन की योजना है, जिसमें करीब 176 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी।

रेलवे ओवरब्रिज से गिरकर मामा-भांजे की मौत

दशहरा मेला देखकर लौट रहे थे दोनों, बाइक रैलिंग से टकराई, एक ने सीएचसी और दूसरे ने जिला अस्पताल में दम तोड़ा
संवाददाता

बिलारी, उत्तर प्रदेश। सिसी रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार मामा-भांजे की मौत हो गई। दोनों सहस्रपुर गांव का दशहरा मेला देखकर अभनपुर गांव लौट रहे थे। बाइक अनियंत्रित होकर पुल की रैलिंग से टकरा गई, जिससे दोनों उछलकर सड़क पर गिर पड़े। मृतकों की पहचान रामपुर जिले के थाना शाहबाद अंतर्गत भौरकी गांव निवासी मनमोहन (30) और उसके कचे विष्णु सिंह (21) के रूप में हुई है। मनमोहन थाना सोनकपुर के अभनपुर नरोली गांव में अपनी बहन रीनू देवी के घर आया हुआ था। परिजनों के अनुसार, गुरुवार शाम विष्णु अपने मामा मनमोहन को बाइक से बिलारी के सहस्रपुर गांव में दशहरा मेला दिखाने ले गया था। देर रात दोनों वापस लौट रहे थे। बाइक विष्णु चला रहा था और मनमोहन पीछे बैठा था। राजा का सहस्रपुर रेलवे क्रासिंग के ऊपर बने रेलवे ओवरब्रिज से पश्चिमी ढाल की ओर उतरते समय बाइक अनियंत्रित होकर पुल की बाई रैलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि



दोनों बाइक सवार उछलकर सिर के बल सड़क पर जा गिरे, जबकि बाइक रैलिंग में ही फंसी रह गई। राहगीरों की सूचना पर बिलारी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी बिलारी भेजा। वहां डॉक्टरों ने मनमोहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल विष्णु को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार तड़के विष्णु की भी मौत हो गई। थाना बिलारी प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बाद में दोनों की मौत की सूचना मिलने पर शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार, हादसे के संबंध में परिजनों की ओर से फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी गई है।